वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 08 | शुक्रवार 3 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जज पवन गर्ग बोले-एचसी में न्यायिक अधिकारियों का कोटा बढ़े

33 की जगह 50 प्रतिशत हो कोटा, अभी वकीलों को मिल रहा ज्यादा कोटा

जयपुर. कासं

अखिल भारतीय न्यायिक अधिकारी एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष जज पवन कुमार गर्ग का कहना है कि हाईकोर्ट जजों के एलिवेशन (नियुक्ति) में न्यायिक अधिकारियों का कोटा बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि हाईकोर्ट में न्यायिक अधिकारियों को मिल रहे 33 प्रतिशत कोटे को बढ़ाकर 50 प्रतिशत करवाया जाए। जज पवन कुमार गर्ग राजस्थान न्यायिक अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। अब उन्हें अखिल भारतीय न्यायिक अधिकारी एसोसिएशन का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आज जयपुर पहुंचने पर साथी जजो और पारिवारिक बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर जद पवन कुमार ने गर्ग ने कहा कि एक न्यायिक अधिकारी सिविल जज के रूप में सेवा में आता हैं। डिस्ट्रिक्ट जज में 25 प्रतिशत कोटा वकीलों को और 75 प्रतिशत कोटा प्रमोशन और एग्जाम के जरिए जजों का तय हैं लेकिन डिस्ट्रिक्ट जज बनने के बाद हाई कोर्ट में एलिवेशन का कोटा वकीलों का 67 प्रतिशत और जजों का 33 प्रतिशत है। ऐसे में अधिकतर न्यायिक अधिकारी डिस्ट्रिक्ट जज के पद से ही रिटायर हो जाते है। वे हाई कोर्ट जज नहीं बन पाते हैं। ऐसे में प्रयास रहेगा कि न्यायिक अधिकारियों का कोटा 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाए।

जयपुर में हो सकती है पहली कॉन्फ्रेंस: एसोसिएशन में उत्तर प्रदेश न्यायिक अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष रणधीर सिंह को महासचिव, दिल्ली न्यायिक अधिकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेन्द्र जंगाला को द्वितीय महासचिव, दिल्ली के नवीन कश्यप को संयुक्त सचिव और दिल्ली के ही गौरव दहिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजस्थान के अनूप कुमार पाठक, कश्मीर के फैय्याज कुरेशी और उत्तर प्रदेश निवासी हरेन्द्र सिंह को राज्य के प्रतिनिधी के रूप में एसोसिएशन में शामिल किया गया है। इसके साथ ही एसोसिएशन की शेष कार्यकारिणी की गठन जल्द ही किया जाएगा। वहीं एसोसिएशन की पहली कॉन्फ्रेंस 2025 के फरवरी या मार्च माह में जयपुर अथवा दिल्ली में आयोजित करवाई जा सकती हैं।

डिस्ट्रिक्ट जज में 25 प्रतिशत कोटा वकीलों को और 75 प्रतिशत कोटा प्रमोशन और एग्जाम के जरिए जजों का तय हैं लेकिन डिस्ट्रिक्ट जज बनने के बाद हाई कोर्ट में एलिवेशन का कोटा वकीलों का 67 प्रतिशत और जजों का 33 प्रतिशत है। ऐसे में अधिकतर न्यायिक अधिकारी डिस्ट्रिक्ट जज के पद से ही रिटायर हो जाते है।

जजों को मिलनी चाहिए सुरक्षा

जज पवन कुमार गर्ग ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को देश में एक समान सुरक्षा व सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षा प्रदान की गई हैं। लेकिन अधिकतर राज्यों में ऐसा नहीं है। जबकि न्यायिक अधिकारियों को सुरक्षा मिलना बेहद जरूरी हैं। जिससे वे निश्चिंत होकर अपना काम कर सके। इसके साथ ही कई राज्यों में पूर्ण रूप में और कुछ राज्यों में आंशिक रूप से सुप्रीम कोर्ट के द्वितीय पे-कमिश्न की पूरी तरह से पालना नहीं हुई हैं। इसे लेकर भी कानूनी लड़ाई लड़ने की उन्होंने बात कही। बुधवार को दिल्ली में अखिल भारतीय न्यायिक अधिकारी एसोसिएशन की एग्जिक्यूटिव बॉडी का गठन किया गया। जिसमें महाराष्ट्र के न्यायिक अधिकारी डॉ अजय नथानी को अध्यक्ष, पवन कुमार गर्ग को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया।

एडीजी प्रियदर्शी को एसीबी से हटाया, मेहरड़ा को डीजी लगाया

जयपुर. कासं

राज्य सरकार ने गुरुवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के तीन अधिकारियों के तबादले किए हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की कमान अब सरकार ने 1990 बैच के आईपीएस अफसर रवि प्रकाश मेहरडा को सौंपी है। मेहरडा अभी तक डीजी एससीआरबी थे। अब सरकार ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी हैं। वहीं, एसीबी में करीब सवा साल से कार्यवाहक डीजी का पद संभाल रहे एडीजी हेमंत प्रियदर्शी को एसीबी से हटाकर एडीजी एससीआरबी में भेज दिया गया है। वहीं, सरकार ने आईपीएस सचिन मित्तल को एडीजी भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड में लगाया है। हेमंत प्रियदर्शी को हटाने के पीछे कुछ दिनों में एसीबी की गिरती परफॉर्मेंस से जोड़कर भी देखा जा रहा है। एसीबी डीजी होने के कारण प्रियदर्शी की इसमें जिम्मेदारी तय की गई थी। इसी तरह से ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में भी एसीबी की परफॉर्मेंस उम्मीद के मुताबिक नहीं रही थी। इसके बाद पूरे मामले की जांच अब जयपुर कमिश्नरेट पुलिस कर रही रही है। **एकल पट्टा मामले में एसीबी ने कहा था कि कोई मामला नहीं बनता:** सरकार की तरफ से जवाब में एसीबी ने 22 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि एकल पट्टा प्रकरण में कोई मामला नहीं बनता है। एकल पट्टा प्रकरण में पूरी तरह से नियमों की पालना की गई थी। वहीं, इसमें राज्य सरकार को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान भी नहीं हुआ है। ऐसे में शांति धारीवाल सहित अधिकारियों को क्लीन चिट दे दी थी। इससे सरकार की किरकिरी हुई थी। हालांकि इस मामले में सरकार पहले ही आरपीएस सुरेंद्र सिंह को एपीओ कर चुकी है।

तीर्थ भूमि पर स्वयं का चौका लगाकर आहार दान देने से विशेष पुण्य मिलता है: मुनि पुगंव श्री सुधासागजी महाराज

मुनि पुगंव का संघ सहित चल रहा है कुंडलपुर से विहार

अन्य संघों के विहार का क्रम जारी: विजय धुर्रा

हिंडोरिया, दमोह। तीर्थ भूमि पर जो स्वयं चौका लगाकर के आहार दान दे रहे है वे तब से पुण्य कमा रहे है जब से घर निकलकर तीर्थ क्षेत्र पर पहुंचे हैं तीर्थ क्षेत्र पर चौका लगाकर वे पात्रों को दान देने की भावना हर समय भा रहे हैं और जो तात्कालिक चौके में जा रहे है वह आपका व्यवहार है आगम से ऐसी कोई परम्परा नही की आप दूसरे के चौके में जा कर आहार दें फिर भी आपका ये व्यवहार चलता है चक्रवर्ती नौकरों के हाथ का भोजन करता है लेकिन जब चौका लगता है तब रानी ही स्वयं भोजन बनाती है, हा बाहर के कार्य की बात अलग है आज तो आपकी सरकार में बैठे लोग भी वेतन ले रहे हैं तो बाहरी कार्य आप किसी से भी करा सकते हैं उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुगंव श्री सुधासागजी महाराज ने हिंडोरिया दमोह में जिज्ञासा समाधान समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए

मुनि श्री अजित सागरजी मुनि श्री विनम्र सागरजी महाराज का सानिध्य मिल रहा है: विजय धुर्रा

मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि निर्यापक श्रमण मुनि पुगंव श्री सुधासागजी महाराज मुनिश्री अजित सागरजी महाराज मुनिश्री विनम्ररसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में जिज्ञासा समाधान हिंडोरिया में हुआ कुंडलपुर तीर्थ क्षेत्र से मुनि संघ का विहार जारी है उप संघों का विहार विभिन्न नगरों के लिए चल रहा है जिज्ञासा समाधान के पहले सत्र में मुनि श्री विनम्र सागरजी महाराज ने कहा कि जिज्ञासा समाधान के माध्यम से आप अपनी शंका का समाधान स्वयं समाधान परम पूज्य निर्यातक श्रमण मुनि श्री सुधासागरजी महाराज के श्री मुख से प्राप्त कर सकते हैं

अभी दुःख कम है उसमें अधिक दुःखी होकर तीव्र कर्म का बंध कर लेते हैं

मुनि श्री अजित सागरजी महाराज ने कहा कि महा महोत्सव के वाद सभी संतों का अपने अपने गंतव्य की ओर विहार हो रहा है आज आपको तीन तीन संघों का सानिध्य जिज्ञासा समाधान में मिल रहा है इस दौरान मुनि पुगंव श्री सुधासागजी महाराज ने कहा कि दुख मनाना, शोक करना, जोर जोर से रोना, दूसरे को दुःखी करना ये सब असाता वेदनीय कर्म के बंध के कारण है। अभी दुःख कम है लेकिन व्यक्ति उसमे और अधिक दुःखी होता है तब ऐसे कर्म का बन्ध होगा कि उसे और दुःखी होना पड़ता है।

सकलीकरण करने के वाद विधान आदि में सूतक नहीं लगता

मुनि पुगंव ने कहा कि सकलीकरण करने के बाद यदि विधान के दौरान सूतक होने पर आप घर नही जायेंगे, घर का भोजन नही करेंगे, घर के वस्त्र आभूषण आदि ग्रहण नही करेंगे तो फिर आप पूरा विधान कर सकते है। यदि आप घर जाते है या घर की चीजो का प्रयोग करते है तब बराबर सूतक लगेगा और विधान छोड़ना पड़ेगा सूतक आदि से वचने के लिए घर का त्याग अवश्य है जिन महापुरुषों के सम्बन्ध में सत्य स्वरूप विभिन्न प्रकार का हो जाये कि सत्य स्वरूप कौन सा है, उनका भाव पक्ष लेकर उनकी आदर्शता ग्रहण कर लेना चाहिए पूज्यता में यह निर्णय होना चाहिए कि भगवान का यह ही स्वरूप है, यदि पूज्यता का निर्णय नही हो पा रहा है तब आप उसे आदर्श के रूप में ग्रहण करे उन्होंने कहा कि देश के ऊपर उपकार होता है धन बुरा या भला नही होता, उसका उपयोग अच्छा-बुरा होता है। गृहस्थ यदि सबसे अधिक धर्म कर सकता है तो धन के माध्यम से। दान से वो वैभव बढ़ता है जिस वैभव से वो धर्म को उँचाईयाँ देता है। व्रतों के पालन करने के लिए भी धन की जरूरत है। प्राकृत भाषा वर्तमान में विचारों के आदान-प्रदान का कारण नही रही इसलिए प्राकृत भाषा गौण होती जा रही है।

गृहस्थ को कोई भी मूर्ति घर में नहीं रखना चाहिए

उन्होंने कहा कि गृहस्थ को कोई भी पीठ सहित मूर्ति आदि घर मे नही रखना चाहिए, हां काँच जड़ित फोटो रख सकते है। जो रखी है उनको गहरे पानी आदि में विसर्जित कर देना चाहिए जितने भी अकृत्रिम चीजे है- अकृत्रिम जिनालय सब पृथ्वीकायिक है, जैसे आकाश में सूर्य, चन्द्रमा, जम्बू वृक्ष ये भी पृथ्वीकायिक है। इनमे निरन्तर जीव बन रहते है, लेकिन वही जीव नही, अधिकतम पृथ्वीकायिक जीवों की उम्र 22 हजार वर्ष होती है, इससे ज्यादा नही, दूसरे जीव उतपन्न होते रहते है लेकिन आकार में परिवर्तन नही आता।

टीरा ब्यूटी ने लॉन्च किया नया प्राइवेट लेबल ब्रांड 'नेल्स आवर वे'

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। सौंदर्य उत्पादों के बाजार में 'टीरा' ब्यूटी ने एक बार फिर हलचल मचा दी है। रिलायंस रिटेल से जुड़ी टीरा ब्यूटी ने अपने ब्यूटी प्रोडक्ट्स की रेंज को मजबूती देते हुए एक नया प्राइवेट लेबल ब्रांड 'नेल्स आवर वे' लॉन्च किया है। इस नई नेल पॉलिश प्रोडक्ट लाइन में, प्रीमियम नेल कलर और केयर उत्पादों की एक विस्तृत रेंज ग्राहकों को मिलेगी। कंप्लीट लुक की चाह रखने वाले ग्राहकों के लिए ''नेल्स आवर वे'' के प्रोडक्ट्स, ऑफिस से लेकर शादी समारोह तक के लिए परफेक्ट मैच है। ''नेल्स आवर वे'' के बोल्ड और चमकदार रंगों वाले इस कलेक्शन में कई तरह की नेल पॉलिश शामिल हैं, जिनमें जेल वेल, स्विफ्ट ड्राई, ब्रीथ अवे और ट्रीट कोट नेल खास हैं। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों में साथ देने वाले इस कलेक्शन में खूबसूरती के साथ नाखूनों को पोषण और सुरक्षा देने वाले प्रोडक्ट्स का भी लंबा लाइन-अप है। नो बंप बेस, क्यूटी केयर और टफन अप सॉल्यूशन सहित कई बेहतरीन नेल केयर उत्पाद प्रोडक्ट लाइन का हिस्सा हैं। मैनीक्योर के शौकिन ग्राहकों के लिए फ्रेंच 'एम अप और 'नेल्ड इट' जैसी किट्स भी उपलब्ध हैं। 'नेल्स आवर वे' कलेक्शन के प्रोडक्ट्स को टीरा ब्यूटी डॉट कॉम पर ऑनलाइन देखा जा सकता है।

गुरूमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में मनाया गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज का 62वां अवतरण दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर-ए, महारानी फार्म, जयपुर में गणिनी आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में प. पू. राष्ट्रसंत, गणाचार्य 108 श्री विराग सागर जी गुरुदेव का 62 वाँ अवतरण दिवस मनाया गया। जैन समाज के श्रद्धालुओं ने गणाचार्य श्री की भक्ति भावों के साथ पूजन अर्चन कर उनके चरणों में नमन किया। तत्पश्चात गुरुमाँ के श्री मुख से शांतिधारा का वाचन हुआ। पूज्य गुरुमाँ ने प्रवचन के दौरान जैन समाज को गणाचार्य गुरूवर का संस्मरण सुनाते हुए कहा कि - 370 से भी अधिक भव्यात्माओं को दीक्षा देकर उनका कल्याण करने वाले आचार्य भगवन ने सहस्राधिक लोगों को मोक्ष मार्ग पर बढाया है। उनका जन्म हम सभी के लिए कल्याण का कारण है। पूज्य माताजी ससंघ के चरणों में शांतिनगर जैन समाज के पदाधिकारियों ने अल्प प्रवास हेतु श्रीफल समर्पित किया। गुरुमाँ की आहारचर्या दौलत छाबडा के निवास स्थान में निर्विघ्न सम्पन्न हुई। शाम 5 बजे आर्यिका ससंघ का मंगल विहार त्रिवेणी नगर की ओर हो रहा है।

जे पी एल किक्रेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन रीजन ग्रुप के अंतर्गत खदछ मैच का शुभारंभ अटल खेल संकुल स्कीम नं 78 इन्दौर मे किया गया ।शुभारंभ नगर निगम सभापति मुन्ना लाल यादव , पुर्व पार्षद भरत देशमुख, वार्ड 34 पार्षद श्रीमती सीमा संजय चोधरी। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, सुशील पांड्या, वितुल अजमेरा, आशीष जैन, संजय अहिंसा एवं रीजन ग्रुप के पदाधिकारी एवम समाज श्रेष्ठी उपस्थित रहे। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका ने अपने उद्बोधन में कहा कि रीजन ग्रुप के वितुल टीम खदछ मैच की टीम निशचित ही खदछ मैच मे इतिहास रचेगी।

निवाई में आचार्य धर्मसागर महाराज का 37वां समाधि अंतर्विलय दिवस धूमधाम से मनाया

शांतिनाथ मण्डल विधान की पूजा अर्चना कर अनुष्ठान किया

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा संत निवास नसियां मंदिर मे आचार्य धर्म सागर महाराज के 37 वें समाधि अंतर्विलय दिवस पर संगीतमय शांतिनाथ मण्डल विधान आयोजित किया गया। जिसमें विधानाचार्य सुरेश शास्त्री एवं अशोक भाणजा के मंत्रोच्चार द्वारा शांतिनाथ मण्डल विधान की रचना की। विधान से पूर्व श्रद्धालुओं को भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि आर्यिका श्रुतमति व सुबोध मति माताजी के सानिध्य में विधान के सोधर्म इन्द्र द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई। इस दौरान विधान मे विनय पाठ नवदेवता पूजा शांतिनाथ भगवान आचार्य धर्मसागर महाराज एवं आर्यिका रत्न आदिमति माताजी की पूजा अर्चना के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना की गई। जौंला ने बताया कि विधान के चार वलय मे 130 श्री फल अर्ध्य समर्पित किये। आर्यिका श्रुतमति व सुबोध मति माताजी ने धर्म सभा को संबोधित किया। समाजसेवी हितेश छाबड़ा एवं त्रिलोक रजवास ने बताया कि विधान के अन्त मे गाजेबाजे के साथ भगवान शांतिनाथ भगवान की आरती उतारी गई। इस अवसर पर राजेन्द सेदरिया सुनील चेनपुरा महेन्द्र चवंरिया पदम पीपलू त्रिलोक रजवास नेमीचंद सिरस महावीर प्रसाद छाबड़ा अजीत काला विवेक जैन मीनाक्षी बगड़ी सीमा सेदरिया शकुंतला छाबड़ा प्रियंका पराणा सुभाषिनी ललवाडी.सहित अनेक लौग मौजूद थे।

वेद ज्ञान

अनुभव से पैदा होती है समझ

जिंदगी की वास्तविक समझ अनुभव से पैदा होती है। हम अपनी क्षमताओं का समुचित आकलन और नियोजन अनुभव करके ही कर सकते हैं। अनुभव किए बगैर न तो हम अपनी जिंदगी जी सकते हैं और न ही अपने अंदर समाई दिव्य क्षमताओं का परिचय पा सकते हैं। इस सबको जानने, समझने और सही नियोजन करने के लिए हमें उसी रूप में उन्हें महसूस करना चाहिए। हम आखिर हैं कौन और हमारे अंदर क्या है, जो बाहर फूटकर आना चाहता है? क्षमताएं अंदर सुप्त रूप में पड़ी रहती हैं। इन्हें तभी जाग्रत कर निर्दिष्ट कार्य में नियोजित किया जा सकता है, जब हम इन्हें गहराई से महसूस करेंगे। इन्हें हम जितना महसूस करेंगे, उनकी पहचान उतनी ही अधिक होगी। क्षमताओं को महसूस करना बौद्धिक व्याख्या नहीं है और कोई तर्क भी नहीं है कि यह ऐसा होगा या नहीं होगा। इनके बारे में तभी सार्थक रूप से बताया जा सकता है, जब इनकी बारीकियों को हम महसूस करेंगे। जीवन में असीम क्षमताएं समाई हुई हैं, परंतु ये सोई पड़ी हैं। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है, जो इन दिव्य विभूतियों से वंचित होगा। सभी में ऐसी महान विभूतियां समाई हुई हैं कि उनके एक अंश उभरकर सामने आने पर मनुष्य कहां से कहां पहुंच सकता है। जीवन की राहें कंटीले कांटों से अटी पड़ी हैं और इन कांटों को भेदकर गुलाब का सुखद स्पर्श किया जा सकता है। क्षमता को सतत प्रक्रिया से उभारा जा सकता है। निरंतर प्रयास से क्षमता निखरती है, परंतु इससे ठीक विपरीत रुक जाने से यह छिप जाती है, ढक जाती है। क्षमता राख की परतों में ढकी हुई होती है, जो इसे महसूस करता है, उसे अंगारों के समान धधका देता है। क्षमता की सही समझ और परिस्थितियों के सही नियोजन से विकास की ऐसी अविरल धारा फूट पड़ती है, जिसे हम 'प्रतिभा' कहते हैं। प्रतिभा कुछ नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं और परिस्थितियों के बीच सामंजस्य स्थापित कर श्रेष्ठ और नया करने के लिए सतत अवसर तलाशने और उसे कर गुजरने के हौसले का नाम है। हम अपनी क्षमताओं को जितना अनुभव करेंगे, हमारी प्रतिभा उतनी ही विकसित होगी। जिंदगी अनुभव की सघनता और प्रगाढ़ता का भंडार है। जीवन को प्रगाढ़ता से अनुभव करने वाले को ही ज्ञानवान कहते हैं।

संपादकीय

मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में विलंब

इस आम चुनाव के पहले और दूसरे चरण में कम मतदान के आंकड़े आए, तो निर्वाचन आयोग पर सवाल उठने शुरू हो गए थे कि उसका मतदाता जागरूकता अभियान कारगर साबित क्यों नहीं हो पा रहा। अब उसने अंतिम आंकड़े जारी किए हैं, जो पिछले आंकड़ों से पांच से छह फीसद तक अधिक हैं। यानी दोनों चरण में छियासठ फीसद से अधिक मतदान हुए। यह एक संतोषजनक आंकड़ा कहा जा सकता है। मगर विपक्षी दलों ने

सवाल उठाया है कि निर्वाचन आयोग ने अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना वक्त क्यों लगाया। ये आंकड़े पहले चरण के ग्यारह दिन और दूसरे चरण के चार दिन बाद आए हैं। अभी तक मतदान के चौबीस घंटों में अंतिम आंकड़े जारी कर दिए जाते थे। फिर, विपक्षी दलों ने यह भी पूछा है कि आयोग ने मतदाताओं की संख्या क्यों नहीं बताई है। इस तरह चुनाव नतीजों में गड़बड़ी की शंका भी जाहिर की जाने लगी है। पहले ही विपक्षी दल और कई सामाजिक संगठन मतदान मशीनों में गड़बड़ी की आशंका जताते रहे हैं। निर्वाचन आयोग के चुनाव प्रक्रिया और परंपराओं का उचित निर्वाह न करने से उनका संदेह स्वाभाविक रूप से और गहरा होगा। यह समझना मुश्किल है कि निर्वाचन आयोग ने मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना वक्त क्यों लगाया। मशीनों के जरिए मतदान कराने के पीछे मकसद यही था कि इससे मतगणना में आसानी होगी, मतदान से संबंधित आंकड़ों को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सकेगा। मतदान मशीनों की केंद्रीय इकाई में हर मतदान केंद्र पर पड़े मतों की संख्या दर्ज होती है। इस तरह हर घंटे मतदान के आंकड़े जारी किए जाते हैं। हालांकि अंतिम आंकड़ा मतदान अधिकारियों के रजिस्टर में दर्ज संख्या से मिलान करने के बाद ही तय होते हैं। इसलिए मानकर चला जाता है कि मतदान मशीनों की केंद्रीय इकाई से मिले आंकड़ों में कुछ फीसद की बढ़ोतरी हो सकती है। मगर मतदान अधिकारियों के रजिस्टर में दर्ज संख्या की गणना करने में भी इतना वक्त नहीं लगता। जब इससे पहले मतदान समाप्त होने के अगले दिन अंतिम आंकड़े जारी कर दिए जाते थे, तो इस बार ऐसी क्या अड़चन आ गई कि ग्यारह दिन लग गए। फिर मतदाताओं की संख्या वेबसाइट पर बताने में क्या दिक्कत है। वह तो मतदाता सूची में दर्ज ही होती है। आज के डिजिटल युग में ऐसी सूचनाएं जारी करने में ज्यादा समय नहीं लगता। निर्वाचन आयोग का दायित्व है कि वह न केवल स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए, बल्कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता भी बनाए रखे। अगर किसी विषय या बिंदु पर आम लोगों या राजनीतिक दलों को किसी प्रकार का संदेह या प्रश्न है, तो उसका निराकरण भी करे। पहले ही आम मतदाता के मन में यह धारणा बैठी हुई है कि मशीनों में गड़बड़ी करके मतों को इधर से उधर किया जा सकता है। फिर राजनेताओं के आपत्तिजनक बयानों और आचार संहिता के उल्लंघन संबंधी शिकायतों पर पक्षपातपूर्ण रवैए के आरोप भी निर्वाचन आयोग पर लगते रहे हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

विवाह की वैधता

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिंदू विवाह पर एक नई व्यवस्था देते हुए कहा है कि अगर अपेक्षित विवाह समारोह नहीं हुआ है, तो हिंदू विवाह अमान्य है। अदालत ने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट करने की जो कोशिश की है, उस पर पूरी गंभीरता से गौर करने की जरूरत है। इस फैसले को समग्रता में नहीं समझा गया, तो हिंदू विवाह की वैधता को लेकर अक्सर सवाल उठेंगे। न्यायालय ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। सात फेरों और समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश ध्यान देने लायक है। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। हालांकि, विवाह की पवित्रता का आभास समाज में समय के साथ घटा है और उसमें सुधार की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। सात फेरों का अर्थ समझे बिना हिंदू विवाह को नहीं समझा जा सकता और सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। अदालत ने यह भी साफ किया है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है और यह नाच-गाने, खाने-पीने का आयोजन नहीं है। अपेक्षित विवाह समारोह होना चाहिए, उसके बिना मात्र पंजीकरण से विवाह वैध नहीं हो जाता है। दहेज या उपहार का आदान-प्रदान भी विवाह नहीं है और इसे रोकने के लिए कानून भी लागू है। कुल मिलाकर, अगर न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए, तो यह सुखद और स्वागतयोग्य है। फिर भी अदालतों को सचेत रहना होगा कि ताजा फैसले के बाद विवाह पंजीकरण का महत्व कहीं कम न हो जाए। असंख्य विवाह बहुत जरूरी होने पर या सुरक्षा की दृष्टि से ही सुनियोजित ढंग से पंजीकृत किए जाते हैं। विवाह पंजीकरण का यह रास्ता अगर बंद न हो, तो समाज में अपेक्षाकृत ज्यादा उदारता बहाल रहेगी। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है। पिछले वर्षों में कुछ खास हालात की वजह से अनेक ऐसे अदालती फैसले आए हैं, जिनके बाद विवाह संबंधी नियम-कायदों को सुलझाने की जरूरत बढ़ गई है। मिसाल के लिए, एक फैसला देखिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दर्शाया गया था। मध्य प्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। यह सवाल पूछा जा सकता है कि धार्मिक कर्तव्य बताने या तय करने का काम किसका है?

संस्थापित सितम्बर 1996

पंजीयन संख्या- 320 दिनांक 25.09.1996

परमपूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं
परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से संस्थापित

पू. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर

के अन्तर्गत संचालित

सन्त श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय

के तत्त्वावधान में

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के उत्कृष्ट त्याग-तपस्या को समर्पित
उपकार महोत्सव के रुप में

पू. निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज

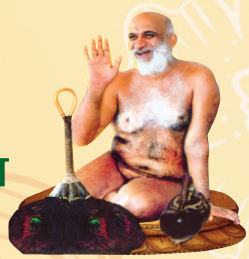

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर

मंदिर सूची

क्र.सं.	मंदिरों के नाम	मंदिर अध्यक्ष/मंत्री	शिविर संयोजक
1.	श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, दुर्गापुरा, जयपुर	श्री प्रकाश चांदवाड, श्री राजेंद्र काला	चंदा सेठी, रेणू पाण्ड्या, रेखा पाटनी, संगीता काला, ऋतु चांदवाड़, विमला पाण्ड्या
2.	श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, चित्रकुट कॉलोनी, सांगानेर, जयपुर	श्री केवल चंद निमोडिया, श्री अनिल काशीपुरा	विजया अजमेरा, निधि पाटनी, सविता जैन, स्वर्णलता बिलाला, उषा पाण्ड्या
3	श्री चंदप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, पटेल नगर, झोटवाड़ा	श्री फूलचंद जैन, श्री रवि प्रकाश जैन	ज्ञानेंद्र जैन, सुरेंद्र जैन, अवधी जैन, सरिता जैन
4.	श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर 23 दिन वाला एयरपोर्ट	श्री विनय लुहाडिया, श्री विमल बाकलीवाल	अनीता बारदार, प्रिया छाबड़ा, पिंकी बाकलीवाल, सरिता मित्तल
5.	श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरापथ, मानसरोवर, जयपुर	श्री सुभाष गंगवाल, श्री प्रकाश सांखुनिया	कान्ता पाटनी, पिंकी कासलीवाल, प्रीती छाबड़ा, अनिता लुहाड़िया, तारामणी गोधा,
6.	श्री दिगंबर जैन मंदिर वरूण पथ, जयपुर	श्री एम. पी. जैन, श्री ज्ञानचन्द बिलाला	रजनी गोधा, कृष्णा जैन, निधि लुहाड़िया, अनूप पाण्ड्या, अंजू जैन
7.	श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, 10 बी, जयपुर	श्री निहालचंद पाटनी, श्री जितेंद्र कुमार जैन	संगीता काला, निर्मला जैन, कान्ता कासलीवाल, इन्द्र कुमार जैन
8.	श्री मुल्तान दिगंबर जैन मंदिर आदर्श नगर, जयपुर	श्री नरेश जैन, श्री विशाल जैन	सुलोचना जैन, प्रकाश देवी जैन, नीतू जैन, सविता जैन
9.	श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर हरि मार्ग, सिविल लाईंस, जयपुर	श्री रमेश जैन, श्री शेखर काला	किरण बगड़ा, चंदनवाला जैन
10.	श्री दिगंबर जैन मंदिर ठोलियान, जौहरी बाजार, जयपुर	श्री अरूण ठोलिया, श्री निर्मल चांदकीका	मीना बिलाला, दीपिका जैन, सोनम जैन, माही शाह, मीनाक्षी जैन
11.	श्री दिगंबर जैन मंदिर जनता कॉलोनी, जयपुर	श्री प्रकाश जी पापड़ीवाल, श्री उजास जैन	दीप्ति जैन, सुनीता कासलीवाल, मीना अजमेरा, राज निगोतिया, समकित शास्त्री, प्रीति पापड़ीवाल
12.	श्री दिगंबर जैन मंदिर गायत्री नगर, महारानी फार्म, जयपुर	श्री कैलाश छाबड़ा, श्री राजेश बोहरा	मंजू जैन सेवा वाले, सुनीता काला, अनीता बड़जात्या, अरूण शाह,
13.	श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर महेश नगर, जयपुर	श्री पदम चन्द जैन, श्री पियूष जैन	शकुन्तला जैन, शान्ति जैन (सरस पार्लर), रूचि सौगानी, सोनिका जैन
14.	श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर राधा निकुंज, जयपुर	श्री कैलाश छाबड़ा, श्री विजय पाण्ड्या	दिनेश जैन, टीना जैन, अनिला बास्को, तरूण शाह
15.	श्री चंदाप्रभु पल्लीवाल दिगंबर जैन मंदिर शक्तिनगर, जयपुर	श्री शिखरचंद जैन, श्री पारस जैन	सुनीता अजमेरा, अंकिता बिलाला, मीनू गंगवाल, बरखा गोधा
16.	श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर-3, मालवीय नगर, जयपुर	श्री सी एल जैन	सुमन पाटनी, अंतिमा जैन, ज्ञानचन्द लुहाड़िया
17.	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालयय, गणेश मार्ग वापू नगर, जयपुर	श्री तारा चन्द पाटनी, श्री जितेन्द्र कुमार जैन	सुरेन्द्र मोदी, संजय पाटनी, महावीर कुमार जैन, रवि सेठी
18.	श्री 1008 नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर	श्री जे. के. जैन, श्री प्रदीप निगोतिआ	मंजू सेठी, अर्चना निगोतिया, दीपिका गंगवाल, पूजा जैन
19.	श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर-7, मालवीय नगर, जयपुर	श्री गिरीश जैन, श्री संजय जैन	मिथिलेश जैन, रिचा जैन, अनीता सेठी, डिंपल जैन
20.	श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर राजावत फार्म, एसएफएस, मानसरोवर, जयपुर	श्री राजेश काला, श्री सौभागमल जैन	उर्मिला पाटनी, प्रतिभा पाटनी, चंदा छाबड़ा, . शिखा सोगानी, नीता काला
21.	श्री जनकपुरी जैन मंदिर इमली फाटक, जयपुर	श्री पदम जैन बिलाला, श्री देवेंद्र कासलीवाल	सुरेश शाह, राजेंद्र ठोलिया
22.	श्री चंदाप्रभु दिगंबर जैन मंदिर बरकत नगर, जयपुर	श्री चक्रेश जैन, श्री निर्मल जैन	अनीता जैन, मीरा सेठी, सुशीला जैन, सुनीता जैन
23.	श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, मालवीय नगर, सेक्टर-10, जयपुर	श्री हरकचंद लुहाडिया, श्री रामपाल बैद	रूचिका कासलीवाल, उषा पाण्ड्या, कल्पना बेद, सरोज पापड़ीवाल, अनीता रांवका
24.	श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर पार्श्वनाथ कॉलोनी, निर्माण नगर, जयपुर	श्री चंदनमल जैन, श्री पद्मचंद गंगवाल	कांता जैन, सुनीता जैन, शांति सेठी, राजरानी गंगवाल
25.	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन महल योजना, जगतपुरा, जयपुर	श्री निर्मला सांघी, श्री अनूप चंद जैन	पिंकल जैन, मोना जैन, अभिषेक सांघी, धीरेन्द्र जैन,
26.	श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ई-3, गोखले मार्ग, सी- स्कीम, जयपुर	श्री ताराचन्द जैन, श्री संजय छाबड़ा	सुरभि लुहाडिया, मोनिका बगड़ा, नीलम ठोलिया, ज्योति छाबड़ा
27.	श्री दिगंबर जैन मंदिर आनंद गार्डन, बज की नसियाँ	श्रीमती अंजना शाह, श्रीमती किरण दीवान	सुशीला बज, सुनीता सौगानी, शिल्पा बज, टीना जैन
28.	श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर मंगलम सिटी, कालवाड़ रोड, जयपुर	श्री दिनेश बड़जात्या	हेमलता जैन, ऋतु जैन, नीतू जैन, पारूल जैन
29.	श्री केसरिया पारसनाथ मंदिर जय नगर, केसर चौराहा, जयपुर	श्री महावीर कासलीवाल, श्री नरेश जैन,	उषा बड़जात्या, सुमन जैन, अनिला जैन, शिवलू जैन मोना झांझरी
30.	श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर	श्री सुशील पहाडिया, श्री राजेंद्र सेठी	संस्कृति जैन, ज्ञानमती जैन, मंजू पाटनी, सुभाष चौधरी
31.	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर मांग्यावास, मानसरोवर, जयपुर	श्री प्रकाश चन्द सौगानी, श्री दिनेश गंगवाल	सुरूचि भौंच, कमलेश पाटनी, नेहा गंगवाल, पूजा छाबड़ा
32.	श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर	श्री पवन नगीने वाले, श्री अनिल जैन, नसीराबाद	भंवरी देवी जैन, मीना सेठी, नीलम जैन, सुनीता जैन, कांता जैन, ममता जैन
33.	श्री दिगंबर जैन मंदिर मोहनबाड़ी, जयपुर	श्री राजेन्द्र बिलाला, श्री नरेन्द्र जैन	सरोज बाकलीवाल, शकुन जैन, अजय गोधा, अरूण सोगानी
34.	श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर सिद्धार्थ नगर, जयपुर	श्री पारस जैन आगरा वाले, श्री आशीष जी छाबड़ा	विद्युत लुहाड़िया, रेनू लुहाड़िया, प्रियंका कासलीवाल, सोनिया चांदवाड़
35.	श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर श्याम नगर, जयपुर	श्री प्रदीप चूड़ीवाल, श्री पारस गंगवाल	कल्पना जैन, सुमन जैन, निर्मला चूड़ीवाल
36.	श्री चंदाप्रभु दिगंबर जैन मंदिर शांति नगर, दुर्गापुरा, जयपुर	श्री सुशील गोधा, श्री सुनील बिलाला	अरुणा छाबड़ा, शशि कोठारी, शानू सोगाणी,
37.	1008 श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार, जयपुर	श्री अनिल कुमार जैन आई.आर.एस., श्री अरूण कुमार जैन	मैना कासलीवाल, अलका जैन, रौनक जैन, सुनीता कासलीवाल
38.	1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर शांति विहार कॉलोनी, कल्याण नगर, जयपुर	श्री उत्तम राणा, श्री दिनेश धाडूका	मीना गोधा, शैला धाडूका, मोना बोहरा
39.	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघी जी, सांगानेर, जयपुर राजस्थान	श्री महावीर प्रसाद बज, श्री नरेन्द्र पाण्ड्या	एकता बज, नीतू पाटौदी, प्रियंका पाण्ड्या, माया जैन
40.	श्री विद्यासुधा पाठशाला अन्तर्गत श्री शांतिवीर दिगम्बर जैन, अहिंसा ट्रस्ट, पद्मावती कॉलोनी, निर्माण नगर, जयपुर		मनीष बड़जात्या श्रीमती विमला ठोलिया, निधि बड़जात्या, डॉ. सुनील जैन,
41.	एस. बी. हाईट्स, केसर चौराहा, जयपुर	श्रीमती मोना झांझरी, श्री शिवलू जैन	देवेन्द्र झांझरी, उषा बड़जात्या, मोना झांझरी

शिविर दिनांक 15 मई से 30 मई 2024 आयोजित

जैन धर्म एवं संस्कृति की अक्षुण्ण परम्परा, श्रमण संस्कृति के सम्पोषण एवं जिनवाणी के तत्त्व ज्ञान के प्रचार प्रसार के लिए श्रावकों को संस्कारित करने हेतु श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर (राज.) द्वारा प्रतिवर्ष संपूर्ण देश एवं विदेशों में ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज के त्याग तपस्या को समर्पित उपकार महोत्सव के रूप में धार्मिक संस्कार शिविरों का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष ग्रीष्मावकाश में आयोजित किया जा रहा है। आप सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से निवेदन है कि अपनी कॉलोनी, ग्राम, शहर में सभी उक्त शिविर के माध्यम से धर्म का प्रचार प्रसार करते हुए सच्चे जिनधर्म प्रभावक बन धर्म प्राभावना करें एवं धर्म लाभ लें।

शिविर के माध्यम से पढाये जाने वाले ग्रंथ

जैन धर्म शिक्षा भाग प्रथम व द्वितीय, छहढाला, द्रव्य संग्रह, इष्टोपदेश, तत्त्वार्थसूत्र, भक्तामर स्तोत्र, रत्नकरण्डक श्रावकाचार, आदि । इसके अतिरिक्त समाज के सुधी श्रावकों की अनुशंसा पर अपेक्षित ग्रंथो की कक्षाओं का आयोजन किया जायेगा।

विशेष आकर्षण - रत्नाकर पुरस्कार

प्रत्येक मंदिर से प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वालों की पुनः परीक्षा ली जाएगी फिर उसमें प्रथम आने वाले को पंडित रतन लाल जी बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जिसकी राशिं रू. 2100 व शील्ड दी जायेगी।

श्रुत पंचमी दिवस दिनांक 24 मई 2023 श्रुत पंचमी के पावन अवसर पर विशेष कार्यक्रम मंदिरों में जिन वाणी का रख-रखाव और जिन वाणी सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन

सूचना

1. शिविर में बेस्ट तीन मंदिरों का चयन किया जाएगा, शिविर की व्यवस्था और शिविर में प्रतिदिन उपस्थित अधिकतम युवक-युवतियों की संख्या होने पर अन्य गतिविधियों के साथ 2-3 बार क्लासेज लगाने पर बेस्ट मंदिर को पुरस्कृत किया जायेगा।
2. शिविर में अल्पाहार में जमींकंद और अभक्ष्य वस्तुओं का और रात्रि में किसी भी प्रकार की अन्न की वस्तुएं वितरित ना करें।
3. शिविर में 8 साल तक के बच्चों की मौखिक परीक्षा ली जाएगी, 8 वर्ष से अधिक उम्र वाले बच्चों की लिखित परीक्षा ली जाएगी।
4. पूर्व में सूचना देने पर पूरे देश में कहीं भी शिक्षकों की व्यवस्था पढने वालों की अच्छी संख्या होने पर संस्थान के द्वारा की जायेगी।
5. जो जिस कक्षा को उत्तीर्ण कर चुके हैं वे उसके आगे की कक्षा में प्रवेश लें।
6. प्रत्येक शिविर स्थल पर परम पूज्य समाधिष्ठ आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के जीवन से संबन्धित विषयों पर अथवा संस्मरणों पर 10 मिनिट की प्रस्तुति देना है। श्रेष्ठ प्रस्तुति को विशेष पुरस्कार प्रदान किया जायेगा एवं समापन के दिन उस प्रस्तुति को प्रदर्शित भी किया जायेगा।

जयपुर शिविर प्रभारी

विदुषी कु. अनुभा जैन, विदुषी कु. भव्या जैन, विदुषी ब्र. दृष्टि जैन, विदुषी ब्र. आन्या जैन
श्रीमती विनीता बोहरा - मो. 9413489973

शिरोमणि संरक्षक / परामर्शक
जैन गौरव श्री अशोक पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़

शिरोमणि संरक्षक /सह- परामर्शक
श्री तरुण काला
मुंबई

अधिष्ठाता
डॉ. जय कुमार जैन
मुजफ्फर नगर

निर्देशक
डॉ. शीतलचन्द जैन
जयपुर

अध्यक्ष
श्री शांति कुमार जैन
जयपुर

कार्याध्यक्ष
श्री प्रमोद जैन 'पहाड़िया'
जयपुर

मानद् मंत्री
श्री सुरेश कुमार जैन
सांगानेर

कोषाध्यक्ष
श्री ऋषभ कुमार जैन
श्याम नगर

संत श्री सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास

परामर्शक
श्रीमती सुशीला पाटनी व्रती
श्रीमती शान्ता पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़

अधिष्ठात्री
श्रीमती शीला जैन (डोड्या)
जयपुर

निदेशिका
डॉ. वन्दना जैन
जयपुर

गौरव अध्यक्षा
श्रीमती तारिका पाटनी
आर.के. मार्बल, उदयपुर

अध्यक्षा
श्रीमती रेणु राणा
जयपुर

उपाध्यक्षा
श्रीमती नीना पहाड़िया
जयपुर

उपाध्यक्षा
श्रीमती रजनी काला
मुम्बई

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल एवं संयुक्त महिला संभाग समस्त पदाधिकारीगण

अ. भा. श्रमण संस्कृति महिला महासमिति, सांगानेर, जयपुर (राज.)

परम संरक्षक शिरोमणि
श्रीमती सुशीला, श्रीमती शांता, श्रीमती तारिका पाटनी
मदनगंज- किशनगढ़ राज.

राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक
श्रीमती शीला जैन डोडिया, जयपुर
93141 73436

अंचल परामर्शक	अंचल अध्यक्ष	अंचल महामंत्री	अंचल कोषाध्यक्ष	अंचल महिला प्रकोष्ठ मंत्री	अंचल युवा प्रकोष्ठ मंत्री
डॉ. वंदना जैन	श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, जयपुर	श्रीमती डिंपल गदिया, नसीराबाद	श्रीमती विद्युत लुहाड़िया, जयपुर	श्रीमती मधु पाटनी, अजमेर	श्रीमती नीता गदिया, केकड़ी

शिविर संयोजिका श्रीमती सुशीला जी छाबड़ा, मंजू जैन सेवा वाले, नीता जैन, अंजना जैन, तारामणि गोधा, चंदा सेठी, नीना गदिया, रचना बाकलीवाल, आशा अग्रवाल, कांता जैन, किरण बगड़ा, मैना कासलीवाल , स्नेहलता शाह, विनीता जैन बोहरा, भंवरी जैन, विनीता अजमेरा, अनीता लुहाडिया, रेनू पांडया, अनिला जैन बास्को, पिंकी शाह, शिखा बिलाला, सुनीता जैन, वंदना सेठी, अलका जैन पांड्या, अंजना शाह

मुख्य संयोजक
श्री उत्तमचन्द पाटनी
मो. 9414053178

संस्थान प्रभारी
पं. विकास सिंघई 93140 50108
पं. सतीश जैन 99283 71108
पं. दीपक जैन 96602 88986

मुरलीपुरा क्षेत्र में धूमधाम से निकला अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का जुलुस

जयपुर. शाबाश इंडिया

करोड़ों वर्ष प्राचीन जैन धर्म के संस्थापक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के सहित पांच तीर्थंकरों की जन्मभूमि एवं मयार्दा पुरषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्म व कर्मभूमि शाश्वत तीर्थ क्षेत्र अयोध्या से जुलाई 2023 में भारतवर्ष में धर्म प्रभावना पर निकला रथ दिनांक 2 मई 2024, गुरुवार को प्रातः 7 बजे जयपुर के मुरलीपुरा क्षेत्र स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पहुंचा। जैन मंदिर पहुंचने पर श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर सेवा समिति कार्यकारिणी मुरलीपुरा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा रथ के साथ चल रहे प्रतिष्ठाचार्य अकलंक जैन एवं अनूप जैन, दिलीप जैन का तिलक लगाकर दुप्पटा, माला पहनाकर स्वागत किया गया, साथ ही रथयात्रा के राज. प्रदेश के संयोजक उदयभान जैन एवं दिलीप जैन को धन्यवाद प्रेषित किया गया। तत्पश्चात मंदिर में उपस्थित जैन धर्मावलंबियों को अकलंक जैन ने धर्मसभा के मध्यम अयोध्या में चल रहे मंदिर निर्माण के बारे में समुचित जानकारी देकर मुरलीपुरा जैन समाज से निर्माण में सहयोग मांगा। जिसमे सभी ने अपनी इच्छा से निर्माण कार्य में लगने वाली राशि एवं अन्य दान की घोषणा की। धर्मसभा में मंदिर प्रांगण से निकलने वाले जुलूस में रथ में बैठने वाले चार परिवारों का चयन बोली के माध्यम से किया गया, जिसमे सौधर्म इंद्र झ इंद्राणी बनने का सौभाग्य सुरेश चंद जैन, नीरज झ रेखा जैन, पंकजझ निशा जैन, रिषभ, रिषिका, रिद्धिमा जैन परिवार

(अलवर वाले), रत्नों की वर्षा के लिए कुबेर इंद्र के रूप में सौभाग्य बंसीलाल जैन झमैना जैन, अनिल जैन, दीपक झ नेहा जैन, दैविक जैन परिवार (मालपुरा वाले), प्रथम आरती कर्ता के रूप में कुलभूषण गोधा झ श्रीमती विधा देवी गोधा, संजय जैनझ गरिमा जैन परिवार (भरतपुर वाले) एवं रथ में पालने में विराजमान भगवान के बाल स्वरूप को पालना झुलाने की बोली का सौभाग्य निरंजन कुमार पहाड़ियाझ निर्मला पहाड़िया, नितेश झ उर्वशी, योगेश झ आयुषी, कनिष्क, ओजस एवं देविश पहाड़िया परिवार (बानूड़ा, सीकर वाले) प्राप्त किया। धर्म प्रभावना जुलूस में बड़ी संख्या में सकल जैन समाज मुरलीपुरा के महिला झ पुरुष सम्मिलित हुए। पूरे कार्यक्रम को अति सुंदर

तरीके से पारस चैनल के द्वारा कवर किया गया, जिसका प्रसारण दिनांक 3 मई 2024 को प्रातः 6 बजे चैनल पर दिखाया जायेगा। कार्यक्रम के समापन पर जैन मंदिर मुरलीपुरा पार्क में मनोज-संगीता, पार्थ पहाड़िया (चौमूं वाले) द्वारा जुलूस में शामिल सभी लोगो के लिए आइसक्रीम की व्यवस्था की गई।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन

कौन कहता है इंसान रंग नहीं बदलता-- ?
किसी के मुंह पर सच कहकर तो देखिये,
एक नया रंग ही सामने आयेगा..!

मैं लोगों से कहता हूँ -- लड़ लो, झगड़ लो, अपने को रोक न सको तो पिट--पिटा लो, मगर झगड़े के दो घड़ी बाद, घंटा भर बाद, झगड़े को भूल जाओ। सामने वाले से क्षमा याचना कर लो, हाथ जोड़कर जय जिनेन्द्र बोल लो। बस यह झगड़ा झक मारकर नौ दो ग्यारह हो जाएगा। भगवान ना करे - अगर कभी घर में झगड़ा हो जाए, झगड़ा हो सकता है, जहाँ चार लोग रहें, वहाँ झगड़ा होना कोई नई बात नहीं। घर में चार बर्तन होंगे तो थोड़ी बहुत आवाज तो होगी ही। श्री कृष्ण के घर में भी झगड़ा होता था, इतना बड़ा महाभारत झगड़ा नहीं तो और क्या है--? राम जी के घर में भी झगड़ा होता था, केकई और मंथरा के कारनामे झगड़ा नहीं तो और क्या है--? भगवान ऋषभदेव के घर में भी झगड़ा होता था, भरत बाहुबली का युद्ध झगड़ा नहीं तो और क्या है--? और यदि तुम्हारे घर में झगड़ा हो जाए तो कोई बड़ी बात नहीं। मेरी यह बात हमेशा याद रखना -- लड़ लेना, झगड़ लेना, सुना देना, सुन लेना, मगर लड़ने झगड़ने के बाद, बोल चाल बंद मत करना। अगर बोलचाल बंद हो गई तो वाकई में रगड़ा हो जाएगा। क्योंकि बोल चाल बन्द होने पर सुलह के सब दरवाजे बन्द हो जाते हैं। बोलचाल बंद होने पर क्रोध बैर का रूप ले लेता है और वह बहुत दुखदाई होता है...!!! -नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

पुण्यतिथि 03 मई

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुजानमल जी जैन (गोधा)

06.10.1928 - 03.05.2020

पूज्य पिताजी की स्मृति में श्रृद्धा सुमन

अश्विनी-मधु (पुत्र-पुत्रवधू)
अंशुल-पूर्वा, रोहन-सलोनी (पौत्र-पौत्रवधू)
अद्विक, रूचिर (पड़पौत्र)

नेमी सागर कॉलोनी, जयपुर

|| श्री शान्तिनाथाय नमः ||

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज

बेगस चलो

मूलनायक १००८ श्री शान्तिनाथ भगवान

बेगस चलो

परम पूज्य तपोनिधि मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी महाराज

श्री १००८ शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

ग्राम बेगस, जिला–जयपुर (राज.)

– आमंत्रण पत्रिका –

आदरणीय धर्मानुरागी बन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र।

जयपुर नगर के पश्चिमोत्तर भाग में अतिशयकारी देवाधिदेव श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान की अति प्राचीन श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्राम बेगस में 465 वर्ष से भी अधिक प्राचीन धरोहर है। मन्दिरजी की प्राचीनता से जर्जर युक्त अवस्था देखकर मन्दिरजी का पूर्णतया जीर्णोद्धार कर वास्तुकला के अनुरूप नूतन स्वरूप प्रदान कर गगन चुम्बी शिखर व तीन वेदीयों से युक्त भव्य आकार प्रदान किया गया। जिसकी वेदी प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया। मन्दिरजी का 13 वाँ वार्षिकोत्सव रविवार–दिनांक 5 मई, 2024 को निम्नांकित कार्यक्रमानुसार विधानाचार्य श्री प्रद्युम्नकुमारजी जैन 'शास्त्री' जयपुर के कुशल निर्देशन में आयोजित है।

अतः आपसे सानुरोध निवेदन है कि सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर सातिशय पुण्यार्जन का अवसर प्राप्त करें।

वास्तुविज्ञ
जैन गौरव श्री राजकुमार जी कोठ्यारी

विधानाचार्य –
पं. प्रद्युम्नकुमारजी शास्त्री

13 वाँ वार्षिकोत्सव

रविवार, दिनांक 5 मई, 2024

– मांगलिक कार्यक्रम –

प्रातः 8.15 बजे- जिनेन्द्र अभिषेक, शान्तिधारा, नित्य नियम, ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, शान्ति विधान पूजन, अतिथि सम्मान, कलशाभिषेक, माल के तत्पश्चात् वात्सल्य सहभोज

पावन आशीर्वाद
पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज

झण्डारोहणकर्त्ता

श्रीमती सुमनलता जी जैन
श्री प्रदीप जी जैन, श्रीमती खुशबु जी जैन, श्री कृष्णा जी जैन
श्री निहाल जी जैन सौगानी सिनोदियावाले
खातीपुरा, जयपुर

दीप प्रज्वलनकर्त्ता

श्रेष्ठी श्री महेन्द्र कुमार जी श्रीमती रेणु जी बिलाला, नेमीसागर
श्रेष्ठी श्री वीरेन्द्र कुमार जी–विनीत जी–विपिन जी समस्त गोधा परिवार, नेमीसागर
श्रेष्ठी श्री विकास कुमार जी–श्रीमती रेणु जी, अतिशय, उन्नति, गोम डिफेंस कॉलोनी

मुख्य अतिथि

श्रेष्ठी श्री अनिल कुमार जी काला
श्रीमती रमीता जी काला
(सीकर वाले), लोहामंडी, जयपुर

मुख्य अतिथि

श्रेष्ठी श्री जे.के.जैन
(कालाडेरावाले),
नेमी सागर कॉलोनी

गौरवमयी उपस्थिति गुरु भक्त परिवार

श्रेष्ठी श्री गजेन्द्र जी,
प्रवीण जी–प्रिया जी,
विकास जी–मेनका जी, अक्षित,
तनिष्क, काशवी, लव्या
समस्त बड़जात्या परिवार
(कांमा वाले), वैशाली नगर, जयपुर

विशिष्ट अतिथि

श्री प्रवीण कुमार जी अंकेश कुमार जी ठोलिया
जैन मेडीकल स्टोर, जोबनेर, चिरायु मेडीकल, चिरायु हॉस्पिटल, हातोज, जयपुर

सौधर्म इन्द्र

श्रेष्ठी श्री विनोद कुमार जी अजमेरा
श्रीमती सविता जी अजमेरा
त्रिवेणी नगर, जयपुर

पूजन सामग्री पुण्यार्जक

स्व. श्री प्रेमचन्द जी एवं श्री धर्मचन्द जी बड़जात्या की पुण्य स्मृति में श्रीमती चन्द्रकान्ता जी, श्रीमती मंजू जी, पवन जी, हर्षित जी, दीपाली जी बड़जात्या रेनवाल मांझीजी वाले, वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर

आजीवन संरक्षकगण

1. श्री जयकुमार जी बागड़िया 'कोटावाले' नेमीसागर
2. श्रीमती कमला देवी गंगवाल 'झरियावाले' नेमीसागर
3. श्रीमती कमला देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
4. श्रीमती मुन्ना देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
5. श्रीमती सुशीला देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
6. श्रीमती प्रेमदेवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
7. श्रीमती अनोप देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
8. श्रीमती रेखा छाबड़ा 'बेगसवाले'
9. श्रीमती मन्जू छाबड़ा 'बेगसवाले'
10. श्रीमती स्नेहलता छाबड़ा 'बेगसवाले'
11. श्रीमती अंजू छाबड़ा 'बेगसवाले'
12. श्री रजत छाबड़ा 'बेगसवाले'
13. श्री पदमचन्द बेगस्या, जयपुर
14. श्री मोहनलाल बेगस्या, जयपुर
15. श्रीमती सूरज देवी बेगस्या, जयपुर
16. श्रीमती विजया देवी बेगस्या, जयपुर
17. श्रीमती तारादेवी बेगस्या, जयपुर
18. श्रीमती कान्ता पहाड़िया 'बगरूवाले'
19. श्रीमती नन्दा पहाड़िया 'बगरूवाले'
20. श्रीमती रंजना पहाड़िया 'बगरूवाले'
21. कु. पर्ल पहाड़िया 'बगरूवाले'
22. श्रीमती करुणा पाटनी, मुम्बई
23 श्रीमती मन्जू बड़जात्या, नेमीसागर
24. श्रीमती प्रेमलता अनोपड़ा, जयपुर
25. श्रीमती मीनू अनोपड़ा, जयपुर
26. श्री प्रदीप गंगवाल, नेमीसागर
27. श्रीमती अनीता ठोलिया, नेमीसागर
28. श्रीमती नरकल देवी अजमेरा, नेमीसागर
29. श्रीमती तारा देवी पहाड़िया, नेमीसागर
30. श्रीमती सुनीता गंगवाल, नेमीसागर
31. श्री राजकुमार कोठारी, जयपुर
32. श्री देवप्रकाश खण्डाका, जयपुर
33. श्रीमती तारामणि लोंग्या, जयपुर
34. श्री राजेन्द्र कुमार पाण्ड्या 'खोरावाले'
35. श्रीमती नेहा पाण्ड्या 'खोरावाले'
36. श्रीमती प्रेमलता देवी पाण्ड्या 'खोरावाले'
37. श्रीमती शान्ति देवी गंगवाल 'खोरावाले'
38. श्री राजमल गंगवाल 'खोरावाले'
39. श्री अक्षय कुमार मोदी पाण्ड्या 'खोरावाले'
40. श्रीमती कंचन देवी गंगवाल, कुचामनसिटी
41. श्रीमती मेहताब देवी पहाड़िया, बोराजवाले
42. श्रीमती शान्ति देवी बज, मदुआवाले
43. श्रीमती सरोज शाह, पावटावाले
44. श्रीमती मन्जू शाह, पावटावाले
45. श्रीमती मुन्नी सेठी, मुकन्दपुरावाले
46. श्रीमती सूरज देवी सेठी, मुकन्दपुरावाले
47. श्रीमती रेणु सेठी, मुकन्दपुरावाले
48. श्रीमती शशि सेठी, मुकन्दपुरावाले
49. श्रीमती मन्जू सेठी, मुकन्दपुरावाले
50. श्रीमती प्रमिला सेठी, मुकन्दपुरावाले
51. श्री जयकुमार पाटनी 'कालाडेरावाले', नेमीसागर
52. श्रीमती किरन देवी बगड़ा, सुजानगढ़वाले
53. श्रीमती इन्द्रा देवी बगड़ा, सुजानगढ़वाले
54. श्रीमती गुलाब देवी सेठी, गोनेरवाले
55. श्रीमती मधु पाटनी, अजमेरवाले
56. श्री विमलकुमार बाकलीवाल, सावरदावाले
57. श्रीमती विद्याम देवी चाँदवाड़, कोटखावदावाले
58. श्रीमती आशा जैन, मुंडियारामसरवाले
59. श्रीमती रानी जैन, मुंडियारामसरवाले
60. श्रीमती पन्नी देवी सेठी, बोबासवाले
61. श्रीमती तारादेवी पाटनी, जयपुरवाले
62. श्री अमरचन्द बड़जात्या, सिकन्दावाले
63. श्रीमती चन्द्रकान्ता बड़जात्या, रेनवालमाँजीवाले
64. श्री देवेन्द्र कुमार गंगवाल, किशनगढ़वाले
65. श्री छीतरमल भूरामल 'वस्सीवाले', जयपुर
66. श्रीमती शान्ति देवी जैन, अजमेरवाले
67. श्रीमती गुणमाला देवी सबलावत, डीमापुर
68. श्री विनीत कुमार अजमेरा, मानसरोवर, जयपुर
69. श्रीमती कमला देवी शाह, चाकसूवाले
70. श्री बाबूलाल शाह, चाकसूवाले
71. श्रीमती रत्ना शाह, जयपुर
72. श्रीमती मनफूली देवी पाण्ड्या 'भुरट्यावाले'
73. श्रीमती मनभर देवी बाकलीवाल 'सिरसवाले'
74. श्रीमती सोहन देवी सौगानी 'सांगानेरवाले'
75. श्रीमती सरोज बाकलीवाल, कोलकाता
76. श्रीमती सरला सेठी, मुम्बई
77. श्री मुकेश कुमार पाटनी, मालपुरा
78. श्री रतनलाल बैनाड़ा 'खटवाड़ावाले'
79. श्रीमती कान्ता देवी बैनाड़ा 'खटवाड़ावाले'
80. श्रीमती उषा पाटनी, गुवाहाटी
81. श्रीमती मन्जू देवी अनोपड़ा 'बौलीवाले'
82. श्रीमती आशा गोधा 'नांवावाले'
83. श्रीमती शिल्पा जैन 'किशनगढ़वाले'
84. श्रीमती अल्का कासलीवाल, सी-स्कीम, जयपुर
85. श्रीमती कंचन देवी लुहाड़िया, झोटवाड़ा जयपुर
86. श्री मोहनलाल छाबड़ा 'फूलवाले'
87. श्री ताराचन्द बाकलीवाल 'निमेड़ावाले'
88. श्रीमती मैना देवी बाकलीवाल 'निमेड़ावाले'
89. श्रीमती तारा देवी बज 'सलहदीपुरावाले'
90. श्री रमेश कुमार पाटनी 'देवलीवाले'
91. श्रीमती निर्मला ठोलिया 'जोबनेरवाले'
92. श्रीमती सुमन सेठी, सुभाष प्रोजेक्ट, कोलकाता
93. श्रीमती सुमन छाबड़ा 'गुवाहाटीवाले'
94. कु. अनाईना जैन, नई दिल्ली
95. डॉ. सुधीर कुमार जैन, जयपुर
96. श्रीमती सपना बाकलीवाल 'दुर्गवाले'
97. श्रीमती मनीषा बाकलीवाल 'दुर्गवाले'
98. श्रीमती शशि छाबड़ा 'सीकरवाले'
99. श्रीमती विनोद देवी बाकलीवाल 'लाडनूवाले'
100. श्रीमती विमला देवी बज, कीर्तिनगर जयपुर
101. श्री राजकुमार सेठी 'सीकरवाले'
102. श्रीमती तारा देवी छाबड़ा, मानसरोवर जयपुर
103. श्री वृजसेन जैन 'ग्वालियरवाले'
104. श्री उम्मेदमल पहाड़िया, मुम्बई
105. श्रीमती गायत्री देवी जैन 'अलीगढ़वाले'
106. श्रीमती निधि बड़जात्या 'लालसोटवाले'
107. श्री चिरंजीलाल काला, शास्त्रीनगर जयपुर
108. श्री नेमीचन्द गंगवाल, नेमीसागर
109. श्रीमती कान्ता देवी सौगानी, कीर्तिनगर जयपुर
110. श्रीमती पताशी देवी अजमेरा 'नांगलवाले'
111. श्रीमती सविता देवी अजमेरा 'नांगलवाले'
112. श्री भागचन्द कासलीवाल 'डुगरावतावाले'
113. श्री कुलदीप चौधरी 'बगरूवाले'
114. श्रीमती सन्तोष देवी पाटनी 'चौरूवाले'
115. श्रीमती सरोज देवी जैन, वैशालीनगर जयपुर
116. श्री पवन कुमार गोदिका, जयपुर
117. श्री सुधीर कुमार सेठी 'मुकुन्दपुरावाले'
118. श्रीमती मुन्ना देवी बाकलीवाल 'निमेड़ावाले'
119. श्रीमती हीरा देवी झांझरी 'सूरतवाले'
120. श्रीमती सुधा जैन 'टीकमगढ़वाले'
121. पंडित श्री विमल कुमार जैन 'बनेठावाले'
122. श्री बाबूलाल जैन 'सिवाड़वाले'
123. श्री राजेन्द्र कुमार बड़जात्या 'चौमूंवाले'
124. श्री राजेन्द्र कुमार बड़जात्या 'मौजमाबादवाले'
125. श्रीमती मुन्नी बैनाड़ा, मेहदी का चौक जयपुर
126. श्री महेन्द्र कुमार पाटनी 'डीमापुरवाले'
127. श्री गणेश कुमार राणा, सी-स्कीम, जयपुर
128. श्री प्रकाशचन्द बाकलीवाल 'निमेड़ावाले'
129. श्री पदमचन्द सेठी 'अजमेरवाले'
130. श्री प्रभुदयाल ठोलिया 'किशनगढ़ रेनवालवाले'
131. श्री देवेन्द्र कुमार बाकलीवाल 'निमोड़ियावाले'
132. श्री ताराचन्द पाटनी 'कालाडेरावाले'
133. श्री अशोक कुमार चाँदवाड़, वसुन्धरा कॉलोनी
134. श्री महेश कुमार सेठी 'मुकुन्दपुरावाले'
135. श्री टीकमचन्द ठोलिया, शान्तिनगर, जयपुर
136. श्री राजेन्द्र लुहाड़िया 'लुहाड़िया चेरिटेबल ट्रस्ट'
37. श्रीमती सुजाता सेठी, नेमीसागर
138. श्रीमती नमिता ठोलिया, नेमीसागर
139. श्रीमती नीलम गंगवाल, मुम्बई
140. श्री अनिल कुमार छाबड़ा 'इमकालवाले'
141. श्रीमती निकिता छाबड़ा 'बेगसवाले'
142. श्रीमती मन्जू देवी सेठी, नेमीसागर
143. श्रीमती रितिका गंगवाल, नेमीसागर
144. श्री रतनलाल ठोलिया 'हिंगोनियावाले'
145. श्री महावीर कुमार कासलीवाल 'साईवाड़वाले'
146. श्रीमती जानकी देवी गंगवाल 'तुंगावाले'
147. श्री भागचन्द छाबड़ा 'टाकरड़ावाले'
148. श्री टीकमचन्द पाटोदी 'नांवावाले'
149. श्रीमती उमराव देवी छाबड़ा, लालकोठी जयपुर
150. श्री अजय कुमार पाटोदी, जयपुर
151. श्री सुरेश कुमार गंगवाल, सुभाष नगर जयपुर
152. श्री मीनू छाबड़ा 'बेगसवाले', जयपुर
153. श्रीमती मन्जू बड़जात्या 'रेनवालमांजीवाले'
154. श्री अमरचन्द काला 'दांतावाले', जयपुर
155. श्री अनन्त कुमार बैनाड़ा, अग्रवाल फार्म, जयपुर
156. श्री अशोक कुमार ठोलिया (सांभरवाले जयपुर)
157. श्री सुरेश कुमार सेठी (चिथवाड़ीवाले जयपुर)
158. श्रीमती सरोज देवी पाटोदी (गिरिडीहवाले झारखण्डवाले)
159. श्री पवन कुमार काला (दाँतावाले जयपुर)
160 श्री सुनील कुमार सौगानी (नाँवावाले जयपुर)
161. श्री विहान छाबड़ा (बेगसवाले जयपुर)
162. श्री रजत-मानसी छाबड़ा (बेगसवाले जयपुर)
163. श्री प्रेमचन्द जी कोठ्यारी (मधुबन कॉलोनी)
164. स्व. श्री सुनील कुमार जी की पुण्य स्मृति में श्रीमती आशा बड़जात्या, जयपुर
165. श्री मुकेश कुमार जी ठोलिया, जोबनेर वाले, झोटवाड़ा
166. श्री टीकमचन्द जी अजमेरा, सांगानेर
167. श्री विशाल कुमार जी जैन, गोम डिफेन्स कॉलोनी
168. श्री राकेश कुमार जी मोदी, नेमीसागर कॉलोनी
169. श्री राजेश कुमार जी काला, जोबनेर मंदिर के पास

परम संरक्षकगण-

श्री प्रकाश चन्द जी शशि जी सेठी (मुकुन्दपुरा वाले)
श्री चेतनकुमारजी रेखाजी जैन छाबड़ा, श्री डॉ. आनन्दकुमार जी-डॉ. मिनी जी, श्री मनन जैन छाबड़ा-बगरु-बेगस वाले, (लालकोठी, जयपुर)
श्री नरेश कुमार जी- श्रीमती कान्ता जी पहाड़िया, बगरुवाले (कोलकाता)
श्री विनोद कुमार जी- श्रीमती नन्दा जी पहाड़िया, बगरुवाले (कोलकाता)
श्री जितेन्द्र कुमार जी- श्रीमती रंजना जी पहाड़िया (नागपुर)
श्री सुरेश कुमार जी- श्रीमती सरिता जी पाटनी (इम्पेक्सवाले), कोलकाता
श्रीमती कमला देवी जी गंगवाल (धर्मपत्नी स्व. श्री पूनमचन्द जी गंगवाल-झरियावाले)
श्री सुभाषचन्द जी-श्रीमती सुमन जी सेठी (सुभाष प्रोजेक्ट एण्ड मार्केटिंग लि.), कोलकाता
श्री संतोष कुमार जी-प्रेमलता जी अनोपड़ा (निवासी-बोली, प्रवासी-जयपुर)
श्री निर्मल कुमार जी- श्रीमती नीलम जी गंगवाल (निवासी-कुचामनसिटी, प्रवासी-मुम्बई)
श्री माणक चन्द जी- श्रीमती कमला देवी जी छाबड़ा (बेगसवाले), जयपुर
श्रीमती सूरजदेवी जी बेगस्या (धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलाल जी बेगस्या), शास्त्री नगर
श्री गुलाबचन्द जी राजेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या (खोरावाले)
श्री कल्याणमल जी पूनमचन्द जी ठोलिया (जोबनेर वाले), नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर
श्रीमती किरण देवी जी बगड़ा (धर्मपत्नी स्व. श्री शान्तिलालजी बगड़ा), सुजानगढ़वाले, ज्योति नगर
श्रीमती सुमन जी छाबड़ा (धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र कुमार जी छाबड़ा), गुवाहाटी
श्रीमती अनोपदेवी जी छाबड़ा धर्मपत्नी स्व. श्री भौरीलाल जी छाबड़ा, बेगसवाले, जयपुर
श्री फूलचन्द जी कवरीलाल जी राकेश जी पाटनी (निवासी-लाडनूं प्रवासी-सूरत)
श्री सुरेश कुमार जी गंगवाल-श्रीमती कान्तादेवी जी गंगवाल, सुभाष नगर, जयपुर

पूनम चन्द ठोलिया
अध्यक्ष
98290-81559

सुरेश छाबड़ा
मंत्री
93149-32520

एवं समस्त पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यगण

भोजन व्यवस्था प्रभारीगण.... सर्वश्री रमेश जी छाबड़ा, अशोक जी छाबड़ा, सुनील जी बेगस्या, प्रमोद जी छाबड़ा कमल जी छाबड़ा, पूरणप्रकाश जी बेगस्या, हर्षित जी बड़जात्या, अनिल जी जैन, जोबनेर वाले, हितेश जी पाटनी, चौरुवाले

आयोजक – प्रबन्धकारिणी समिति श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्राम बेगस, जिला–जयपुर (राज.)

विनीत – सकल दिगम्बर जैन समाज, ग्राम बेगस, जिला–जयपुर (राज.)

सम्पर्क सूत्र – 93149- 32520, 93149-53399, 98290-81599, 93526-47708, 93516-46620, 93511-55886, 93149-34843, 98290-66389, 93527-79034, 011-9312286191, 94143-23692, 98290-88149

मार्ग विवरण - बगरू से 7 कि.मी. उत्तर दिशा पर = अजमेर रोड-बेगस अजमेर हाईवे टॉल टैक्स से सांजरिया रोड से 8 कि.मी. आगे एवं स्वानलोक रिसोर्ट से 4 कि.मी. आगे = चांदपोल से समय -समय पर सिरसी-बिन्दायका इण्डस्ट्रीयल एरिया होकर सिटीएस बसे जाती है।

नोट - जयपुर से बेगस जाने-आने के लिए निःशुल्क बस व्यवस्था रखी गई है। जिसके अन्तर्गत - अजायबघर का रास्ता, किशनपोल बाजार • ज्योति नगर-ईमलीवाला फाटक • शास्त्री नगर जैन मन्दिर • बेगसवान मन्दिर, चांदपोल बाजार • शान्ति नगर जैन मन्दिर जौहरी बाजार- एल.एम.बी के पास एवं मधुवन जैन मन्दिर, टोंक फाटक, मन्दिर संघीजी सांगानेर, जयपुर से 5-5-2024 को प्रातः 8.00 बजे प्रस्थान करेंगी।

पत्रिका पुण्यार्जक परिवार..................

धरा एन्टरप्राइजेज
Authorised Distributor of
TotalEngeries Marketing India Pvt. Ltd.
MOHIT JAIN
9783400123
7976347160
Address : Plot No. 42-B, Arihant Vatika-B, Dhabas, Behind Heerapura Power House, Ajmer Road, Jaipur-302021
E-mail : dharaenterprises12@gmail.com
Website : www.dharaenterprisesgroup.com

श्रेष्ठी श्रावक श्री जयकुमार–मंजू जैन
श्री सौरभ जैन–दीपिका जैन
श्री मोहित जैन–दिव्या जैन
समस्त बड़जात्या परिवार (सीकर वाले),
नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर

पत्रिका पुण्यार्जक परिवार..................

श्रीमती चिन्तादेवी सेठी,
निर्मल–सुजाता सेठी
साहील–गरिमा सेठी
आरोही–अनाया सेठी
बालाजी एन्टरप्राईजेज
F-68, शयमर प्लाजा, जयपुर

सुभाष अजमेरा
गौरव–अनुश्री अजमेरा
ऋधान जैन
पुखराज इलेक्ट्रीकल्स
नेमीसागर कालोनी, जयपुर

बीसवीं शताब्दी के प्रथमाचार्य शांतिसागर महाराज के तीसरे पट्टाधीश आचार्य धर्मसागर महाराज का समाधि दिवस भक्तिभाव से मनाया

सीकर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के सीकर शहर में जैन धर्मावलंबियों द्वारा आचार्य शिरोमणि धर्म सागर महाराज का 37 वां समाधि दिवस भक्तिभाव से मनाया गया। बीसवीं शताब्दी के प्रथमाचार्य शांतिसागर महाराज के तृतीय पट्टाधीश आचार्य धर्मसागर महाराज का अंतिम चातुर्मास सीकर में हुआ था और देवलोक गमन (समाधि) सीकर में माह अप्रैल सन् 1987 तिथि वैशाख कृष्णा 9 नवमी विक्रम संवत 2044 को सीकर, राजस्थान में ही हुआ था। भगवान महावीर चैरिटी ट्रस्ट के अध्यक्ष विमल जैन रेटा व मंत्री किशोर संगही ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सकल जैन समाज सीकर के सानिध्य में हो रहे इस आयोजन में प्रातः बजाज रोड़ स्थित जैन भवन से सालासर रोड़ स्थित आचार्य धर्मसागर समाधि स्थल तक श्री जी की भव्य रथयात्रा निकाली गई , जिसमे समाज के धर्मावलंबी प्रभु जी की भक्ति करते हुए चल रहे थे । श्री जी के भव्य रथ के साथ महिलाएं भजन गाते हुए चल रही थी। रथयात्रा का जगह जगह जैन धर्मावलंबियों ने स्वागत करते हुए श्री जी की आरती की । समाधि स्थल पर कार्यक्रमों में सर्वप्रथम झंडारोहण का कार्यक्रम हुआ । ध्वजारोहण सहित समस्त मांगलिक क्रियाओं को करने का सौभाग्य बाबूलाल प्रदीप कुमार मनोज कुमार अभिनव कुमार अंशुल कुमार बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आचार्य धर्मसागर महाराज के परम भक्त अजमेर से नवरत्न विकास पाटनी परिवार इस आयोजन में सम्मिलित हुआ ।समाज के मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता विवेक पाटोदी ने बताया कि झंडारोहण पश्चात श्रीजी के कलशाभिषेक और शांतिधारा हुई । आयोजन के दौरान गौरव खुशबू जैन एवं पार्टी कुचामन के भजनों की धुनों पर समाज के लोगों ने प्रभु जी की भक्ति की । दोपहर समाधि स्थल पर आचार्य धर्मसागर विधान का आयोजन किया गया । आचार्य श्री धर्मसागर संगीतमय विधान व समस्त मांगलिक क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य पं आशीष जैन शास्त्री सीकर के सानिध्य में संपन्न हुआ। सांयकाल विनयांजली सभा और महाआरती का आयोजन हुआ । समारोह में भजन संध्या व पुरस्कार वितरण का पुण्यार्जन इंदरचंद पंकज कुमार हिमांशु राहुल छाबड़ा परिवार को प्राप्त हुआ । आयोजन की पूर्व संध्या में णमोकार पाठ व भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम व्यवस्था में भगवान महावीर चैरिटी ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया ।आचार्य श्री धर्मसागर जी की समाधि दिवस पर प्रतिवर्ष होने वाले इस समारोह को वर्ष 2024 में 37 वर्ष हो गए है ।

भगवान महावीर चिकित्सालय में एक माह की ओषधि के लिए सहयोग किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर नगर, जयपुर द्वारा चल रहे भगवान महावीर चिकित्सालय में माह मई 2024 के एक माह की औषधि की व्यवस्था हेतु चेतन कुमार जैन रेखा जैन छाबड़ा ने अपने पिताश्री

श्रीमान कपूर चन्द जी जैन छाबड़ा की पूण्यस्मृति में रुपए 51000 की राशि सहयोग स्वरूप प्रदान की। उनका चिकित्सालय परिसर में माल्यार्पण कर सम्मान किया गया ।इस अवसर कार्यक्रम में अनिल जैन, सेवा निवृत्त आई पी एस, नीरज गंगवाल, दर्शन जैन बाकलीवाल, ग्रिस बाकलीवाल व अन्य समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी ने जैन के परिवार को इस कार्य हेतु धन्यवाद व साधुवाद प्रकट किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मनाया जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव

जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनायेंगे आज-पूजा अर्चना के होगें विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के बीसवें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रतनाथ का ज्ञान कल्याणक गुरुवार, 02 मई को भक्तिभाव से मनाया गया। वहीं भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव शुक्रवार 3 मई को भक्ति भाव से मनाया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें। प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाएगी। पूजा के दौरान जन्म व तप कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अर्घ्य चढ़ाये जाएंगे। श्री जैन के मुताबिक आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, कल्याण नगर के श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, वाटिका के मुनिसुव्रतनाथ नवग्रह दिगम्बर जैन मंदिर, महल योजना के श्री मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन मंदिर तथा सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर सहित शहर के अन्य मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के मुताबिक गुरुवार को आयोजित ज्ञान कल्याणक महोत्सव में प्रातः भगवान मुनिसुव्रतनाथ के अभिषेक के बाद विश्व में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए श्री जी की शांतिधारा की गई। तत्पश्चात भगवान मुनिसुव्रतनाथ की अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान ज्ञान कल्याणक श्लोक - ''वरकेवलज्ञान उद्योत किया,नवमी वयसाख वदी सुखिया। घनि मोहनिशाभनि मोखमगा,हम पूजि चहैं भवसिन्धु थगा।।'' का सामूहिक उच्चारण करते हुए जयकारों के साथ ज्ञान कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। महाआरती से समापन हुआ। श्री जैन ने बताया कि शुक्रवार को शहर के 225 से अधिक जैन मंदिरों में भगवान मुनिसुव्रतनाथ के ज्ञान, जन्म और तप कल्याणक महोत्सव मनाये जायेगें। **-विनोद जैन 'कोटखावदा' प्रदेश महामंत्री**

मूक पक्षियों के लिए भाविप ने किया सकोरा वितरण

परतापुर. शाबाश इंडिया। भारत विकास परिषद शाखा परतापुर के सौजन्य से मूक पक्षियों को भीषण गर्मी में शीतल पेयजल उपलब्ध करवाने की पुनीत संकल्प के तहत सकोरा वितरण का कार्यक्रम किया गया। शाखा सचिव प्रवीण पटेल ने बताया की प्रति वर्ष की भाती इस वर्ष भी भारत

विकास परिषद के प्रकल्प तहत शाखा अध्यक्ष प्रभज्योत सिंह सोनी की अध्यक्षता में राउप्रावि सेनाला में अध्ययनरत 95 बालक बालिकाओं एवम विद्यालय स्टाफ को सकोरा वितरण किया गया एवम प्रतिदिन पेयजल संबंधित रखरखाव की शपथ दिलवाई गई । प्रांतीय प्रतिनिधि हीरालाल पंचाल ने विद्यार्थियों को सकोरा वितरण कार्यक्रम के महत्व को समझाया गया। शाखा अध्यक्ष प्रभज्योत्त सिंह सोनी ने बताया कि विद्यालय में स्वच्छता , पर्यावरण एवम शैक्षिक वातावरण ने सभी को आनन्दित कर दिया। परिषद ने संस्था प्रधान संदीप जैन एवम शाला स्टाफ का श्रेष्ठ वातावरण निर्माण एवम शैक्षिक उपलब्धियों हेतु अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को विद्यालय के स्टाफ मोहनलाल डामोर , शंभुलाल डामोर , राजेश बामनिया, देवीलाल पाटीदार, ठाकुर सोनी, सीमा जोशी, रेणुका जोशी, मीनाक्षी चुंडावत, वंदना पाटीदार, का सराहनीय सहयोग रहा।

पाठशाला समाज के बच्चों मे संस्कारों के आरोहण का स्वर्णिम पथ : आर्यिका चिन्मयश्री माताजी

डडूका. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन पाठशाला डडूका में आचार्य श्री कुंथु सागर जी महाराज की सुशिष्या आर्यिका चिन्मय श्री माताजी का मंगल प्रवेश हुआ। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने बताया की माताजी ने बच्चो एवं अभिभावकों की मिलिजुली क्लास को संबोधित करते हुए कहा की पाठशाला समाज के बच्चो मे संस्कारो के आरोहण का स्वर्णिम पथ प्रशस्त करती है। डडूका का जैन समाज सौभाग्य शाली है की यहां वर्ष 1955से लगातार जैन पाठशाला संचालित की जा रही है। कोठिया ने माताजी को श्रमण संस्कृति परीक्षा बोर्ड सांगानेर के माध्यम से जारी पाठ्यक्रमो आधारित इस पाठशाला की गतिविधियों पर जानकारी देते हुए कहा की यहां प्रत्येक रविवार को बच्चो को सामुहिक जिनेंद्र पुजा कराई जाती है। प्रोजेक्टर पर बच्चो को तीर्थंकरो आधारित फिल्मे और डॉक्यूमेंट्री दिखा कर उनके धार्मिक सांस्कृतिक ज्ञान मे अभिवृद्धि की जाती है। पर्युषण , अष्टांहिका, महावीर जयंती एवम विधानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन मे पाठशाला के बच्चे सक्रिय भूमिका निभाते हैं। माताजी ने पाठशाला एवं बच्चो के सुखद भविष्य के लिऐ मंगल आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम मे अजीत कोठिया, अशोक के शाह, कुसुम कोठिया, नीलम जैन, खुशबू शाह, रक्षा शाह, टीना जैन, सुप्रभा शाह, रजनी कोठिया सहित कई अभिभावकों ने हिस्सा लिया। माताजी के संघ की डोली दीदी ने आभार प्रदर्शन किया।

शालीमार एनक्लेव जैन मंदिर में मनाया आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज का 62वां अवतरण दिवस

आगरा. शाबाश इंडिया। मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसम्यसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज का 62 वाँ अवतरण दिवस समारोह 2 मई को शालीमार एन्क्लेव सकल जैन समाज के तत्वावधान में आगरा के कमला नगर स्थित शालीमार एन्क्लेव के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। भक्तों ने कार्यक्रम का शुभारंभ अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ किया। साथ ही भक्तों ने आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया। इसके बाद भक्तों ने अष्ट द्रव की थाल सजाकर संगीतमय में आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के चित्र को साक्षी मानकर गुरु पूजन किया। कार्यक्रम के मध्य में उपाध्याय श्री विहसन्त सागर जी महाराज धर्मसभा को संबोधित करते हुए गुरु-शिष्य के बारे में भक्तों को समझाया। इस दौरान ग्रेटर कमला नगर सकल जैन समाज ने उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज का पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर भक्तों ने आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के चित्र को साक्षी मानकर 62 दीपकों से मंगल आरती की। साय 7:00 बजे से उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज की ससंघ की गुरुभक्ति आयोजित की। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि उपाध्याय श्री विहसन्त सागर जी महाराज ससंघ का शालीमार एनक्लेव जैन मंदिर से मंगल विहार 4 मई को प्रातः7:00 बजे कर्मयोगी जैन मंदिर कमलानगर के लिए होगा। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद जैन,एसबी जैन,राजू गोधा, संजू गोधा,राजकुमार गुड्डू,अजय जैन, संजय जैन,शैलेंद्र जैन रपरिया,प्रमोद जैन, अनुज जैन, शुभम जैन, विनीता जैन, पुष्पा बैनाड़ा, समस्त शालीमार एनक्लेव जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

शहर भर में निकली सांई बाबा की पालकी यात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

अम्बाह. शाबाश इंडिया। साईं बाबा की प्रतिमा स्थापना के अवसर पर शहर के गुरुद्वारा मोहल्ले से भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। जिसमें श्रद्धालु बैंड-बाजे की धुन पर बज रहे धार्मिक भजनों पर थिरकते हुए चल रहे थे। पालकी यात्रा के दौरान अलौकिक छटा बिखरी थी, न कोई अमीर था न गरीब। पालकी यात्रा में शामिल भक्तों में पैरों पर कंकड़ चुभने का अहसास भी न था। बैंड पर बजते ''साईं तेरा नाम महा सुखदाई...'', ''आओ पधारो मेरे गुरुवर बाबा...'', ''दया करो... मेरे साईं...'', ''शिरडी वाले साईं बाबा, आया है तेरे दर पे सवाली...'' जैसे गीत बज रहे थे। वहीं मंदिर परिसर से निकली पालकी यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया। इसी तरह जिस मार्ग से भी पालकी यात्रा गुजरी समाजसेवी संगठन व भक्तों ने पुष्पों से यात्रा का स्वागत किया। यात्रा नगर पालिका चौराहे से होते हुए विभिन्न मार्गों को कवर कर साईं मंदिर पहुंची। जहां पूजा-अर्चना के बाद 108 दीपों से महाआरती की गई। इसके बाद प्रसादी का वितरण किया गया। जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। इसके पूर्व सुबह साईं बाबा का पूजन, अर्चन व अभिषेक हुआ। यात्रा के दौरान महिलाएं भजन कीर्तन कर रही थी।

कमला नगर में हुआ शीतल जल की प्याऊ का शुभारंभ,राहगीरों को मिलेगा शीतल जल

आगरा. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन के अन्तर्गत 2 मई को स्थापना दिवस एवं गणचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के 62 वे अवतरण दिवस पर जैन मिलन महावीर उत्तरी व महिला जैन मिलन कमलानगर आगरा द्वारा एक शीतल जल की प्याऊ का उद्घाटन नगर के प्रतिष्ठित उद्योगपति व समाजश्रेष्ठी प्रदीप जैन पीएनसी एवं मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा राष्ट्रीय संरक्षक अनिल जैन रईस के निवास स्थान एफ-126 चांदनी चौक बजाज वर्ल्ड के पास कमलानगर आगरा पर फीता काटकर किया गया। इस शीतल प्याऊ का संचालन अलोक जैन,अंजली जैन,आकर्ष अहिंसा, अक्षरा अहिंसा द्वारा मीठे जल का वितरण कर किया गया। मनोज जैन बाकलीवाल ने अपने उद्बोदन में कहा है कि आपके द्वारा जितने जल की जरूरत हो उतना ही प्रयोग करना चाहिए, कुछ लोग बोतल पानी लेकर एक घूँट पीकर फेंक देते हैं। मुख्य अतिथि प्रदीप जैन पीएनसी ने कहा है कि जितना पानी की जरूरत हो उतने ही पानी का प्रयोग करना चाहिए व्यर्थ में पानी को बरबाद नहीं करना चाहिए। विगत 15 वर्षों से इस स्थान पर गर्मियों के मौसम में प्याऊ लग रही है। जिससे गर्मियों में जनता की सेवा की जा सके।

नचिकेतन पब्लिक स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के ममेरां बाई-पास स्थित नचिकेतन पब्लिक स्कूल के प्रांगण में प्रातः प्रार्थना सभा में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा सभी सहायक कर्मियों का मंच पर स्वागत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा सभी का तिलक कर अभिनंदन किया गया। इस मौके पर विद्यालय चैयरमेन राजेन्द्र सिंह सिद्धु, सचिव छबील दास सुथार, निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु, प्रशासक अशोक कुमार मोहराना, प्राचार्य सत्यनारायण पारीक, प्रबन्धन समिति के सदस्य परमिन्द्र सिंह सिद्धु व कपिल सुथार ने सभी सहायक कर्मियों को भेंट देकर उनका धन्यवाद किया। विद्यालय निदेशक रणजीत सिंह सिद्धू ने अपने संबोधन के माध्यम से उपस्थित सभी कर्मियों की इस संस्था में भूमिका को बताते हुए कहा कि किस प्रकार ये सभी हमारे विद्यालय की नीव के रूप में कार्य करते है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था के कार्यों की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसके सहयोगी कर्मचारी कितनी निष्ठा और ईमानदारी से अपना कार्य करते हैं।